



Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"



॥ गणेश चतुर्थी की संपूर्ण पूजा विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ गणेश चतुर्थी की संपूर्ण पूजा विधि ॥

गणेश चतुर्थी के दिन भगवान श्रीगणेश की पूजा विधि-विधान और श्रद्धा से की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गणपति जी की आराधना करने से विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं और बुद्धि, सुख, समृद्धि एवं शुभता की प्राप्ति की कामना की जाती है।

पूजा स्थल की तैयारी

सबसे पहले पूजा स्थान को अच्छी तरह साफ करें। चौकी पर लाल या पीले रंग का स्वच्छ कपड़ा बिछाएं और उस पर गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। पास में कलश स्थापित करें और पूजा की सभी सामग्री व्यवस्थित रखें।

आचमन एवं संकल्प

पूजा करने वाला व्यक्ति स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करे। पूजा स्थल पर बैठकर आचमन करें और भगवान गणेश का ध्यान करते हुए पूजा का संकल्प लें।

संकल्प भावः

“हे भगवान गणेश! मैं श्रद्धापूर्वक आपकी पूजा कर रहा/रही हूं। कृपया मेरी पूजा स्वीकार करें और मेरे जीवन के सभी विघ्नों को दूर कर सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करें।”

भगवान गणेश का आवाहन

हाथ में पुष्प और अक्षत लेकर भगवान गणेश का ध्यान करें और उनका आवाहन करें।

गणेश मंत्रः

ॐ गं गणपतये नमः।

मंत्र का जाप करते हुए पुष्प और अक्षत गणेश जी को अर्पित करें।

वस्त्र, चंदन और सिंदूर अर्पित करें
गणेश जी को नए वस्त्र या मौली अर्पित करें। इसके बाद चंदन, सिंदूर और
अक्षत अर्पित करें। लाल पुष्प और माला भी चढ़ाएं।

दूर्वा अर्पित करें

भगवान गणेश को दूर्वा अत्यंत प्रिय मानी जाती है। श्रद्धापूर्वक दूर्वा अर्पित
करें और इस दौरान “ॐ गं गणपतये नमः” का जाप कर सकते हैं।

धूप और दीप जलाएं

गणेश जी के सामने धूप और दीप प्रज्वलित करें। दीपक को भगवान के
समक्ष रखते हुए घर में सकारात्मकता, प्रकाश और शुभता की प्रार्थना
करें।

नैवेद्य एवं मोदक अर्पित करें

गणेश जी को मोदक, लड्डू, फल और अन्य सात्विक पकवानों का भोग
लगाएं। विशेष रूप से मोदक को गणपति जी का प्रिय नैवेद्य माना जाता
है।

गणेश मंत्र एवं स्तुति का पाठ

पूजा के दौरान निम्न मंत्र का जाप किया जा सकता है:

ॐ गं गणपतये नमः।

इसके अतिरिक्त गणेश अथर्वशीर्ष, गणेश स्तुति या गणेश चालीसा का
पाठ भी श्रद्धानुसार किया जा सकता है।

गणेश जी की आरती

पूजा के अंत में भगवान गणेश की आरती करें। परिवार के सभी सदस्य
आरती में शामिल होकर भगवान से सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की
प्रार्थना करें।

क्षमा प्रार्थना

पूजा में हुई किसी भी त्रुटि के लिए भगवान गणेश से क्षमा मांगें।

प्रार्थना:

“हे विघ्नहर्ता श्रीगणेश! पूजा में जाने-अनजाने हुई सभी त्रुटियों को क्षमा करें और अपने भक्तों पर सदैव कृपा बनाए रखें।”

प्रसाद वितरण

आरती के बाद गणेश जी को अर्पित किया गया प्रसाद परिवार के सभी सदस्यों में श्रद्धापूर्वक वितरित करें।

गणेश चतुर्थी पूजा में विशेष ध्यान रखें

पूजा स्थल और आसपास की जगह स्वच्छ रखें।

गणेश जी को दूर्वा, लाल पुष्प और मोदक अर्पित करें।

पूजा में सात्विकता और शुद्धता का ध्यान रखें।

अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-पुण्य और जरूरतमंदों की सहायता करें।

विसर्जन के समय पर्यावरण-अनुकूल विधि अपनाना बेहतर है।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"